



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिभक्तर से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 8, 1993/भाद्र 17, 1915

No. 308] N.W. DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 8, 1993/BHADRA 17, 1915

पर्यावरण और वन मंत्रालय

सकल

नई दिल्ली 4 सितम्बर, 1993

विषय स्वच्छ जीविका के लिए राजाध गावा पर्यावरण पुरस्कार

सा का ति 596(अ) --प्रदेश व. राजाध गावा राष्ट्रीय पुरस्कार के संवध में 26 अगस्त 1992 का अधिवृत्तना सा का ति 736(ई) क्रम में निम्नलिखित का शामिल किया जा रहा है -

श्री राजाध गावा के जन्म के स्वर्ण जयन्ता के अवसर पर, सरकार सरकार ने उद्योगों विशेषकर अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों द्वारा स्वच्छ जल प्रदूषण प्रीतिगीता प्रान्तों का प्रोत्साहित करने के लिए उनके नाम पर एक राष्ट्रीय पुरस्कार शुरू करने का निर्णय लिया है।

यह निर्णय नौयामिकाव उपयुक्त ता प्रिया ने स्वर्ण जयन्ता राजाध गावा और अधिक प्रयासों और पर्यावरण के संवध में उनका विशेष रूप से प्रति संबन्धिताता का सा यत्ना देने के लिए किया गया है।

यह पुरस्कार एक ट्राफी के रूप में उस नुयाम्य इकाई का दिया जायेगा, जो ऐसे नई प्रौद्योगिकी के विकास प्रयत्न वर्तमान प्रौद्योगिकी में नए सुधार, प्रयत्न स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और प्रयासों का अन्तर्गत और प्रयोग करने में

महत्वपूर्ण और परिसेध योगदान करेगी, जिनमे पर्यावरणीय प्रदूषण काफी कम हो जाता हो, उसकी समाप्ति अथवा निवारण हो जाता हो ।

प्रदूषण निवारण का उद्देश्य वायु, मृदा और जल की गुणवत्ता को सुधारना, प्राकृतिक ससाधनों का संरक्षण करना तथा व्यावहारिक और सरने साधनों के जरिए प्रदूषकों को उत्पत्ति का निवारण करना है ।

इस संबंध में किये जाने वाले कार्यों मे ऊर्जा अथवा अन्य ससाधनों को बचत करने वाली नई प्रौद्योगिकियां शुरू करना, कम प्रदूषक सामग्री का प्रयोग करने के लिए उत्पाद पुनर्निर्माण अथवा प्रतिस्थापन और प्रदूषण कम करने वाली सशोधित अथवा नई प्रक्रियाएं शामिल हो सकती हैं ।

प्रदूषण के निवारण हेतु 26 अगस्त, 1992 को अधिसूचित राष्ट्रीय पुरस्कारों की मौजूदा स्कीम मे हर वर्ष 23 पुरस्कार देने का प्रावधान है । इनमे से एक-एक पुरस्कार अत्यधिक प्रदूषक उद्योगों की अभिनिर्धारित 18 श्रेणियों, चीनी, (उर्वरक, सीमेंट, किपचन और मद्य निर्माण, एल्यूमिनियम, पेट्रो-रसायन, ताप-विद्युत्, कास्टिक सोडा, तेल-शोधन, सल्फ्यूरिक एसिड, तांबा प्रचलन, जस्ता प्रचलन, लौह एवं इस्पात, चर्मशोधन, लुगदी और कागज, ड्राई और ड्राई इन्टरमिडिएट, कोटनाशी, औषध-निर्माण) मे और पांच पुरस्कार लघु उद्योग श्रेणी मे है ।

इन पुरस्कारों के लिए नामांकनों को समीक्षा करने समय, चयन समिति इनमे से “स्वच्छ प्रौद्योगिकी के लिए राजीव गांधी पर्यावरण पुरस्कार” हेतु सर्वोत्तम, विशेष कर स्वच्छ प्रौद्योगिकी आनाने की दृष्टि से सर्वोत्तम इकाई को शिनाख्त करेगी ।

उक्त समय मे गुणवत्ता और मात्रा दोनों की दृष्टि से किए गए योगदान का महत्व तथा पर्यावरण और परिमेय प्रभाव चुनाव के लिए प्रमुख मापदण्डों में से होंगे ।

[क्यू--16016/52/90--सी. पी. ए]

टी. जार्ज जोसेफ, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

RESOLUTION

New Delhi, the 8th September, 1993

Subject.—Rajiv Gandhi Environment Award For Clean Technology.

G.S.R. 596(E).—In continuation of the notification bearing G.S.R. 735(E) of 26th August, 1992 on National Awards for Prevention of Pollution, the following addition is being made.

On the occasion of the golden jubilee anniversary of his birth, the Government of India have decided to institute a National Award named after Shri Rajiv Gandhi to encourage the adoption of clean process technologies by industries, particularly those in the highly polluting categories.

This is in special recognition of the late Prime Minister's vigorous efforts at technological upgradation, and his particularly acute environmental sensitivity.

The Award will be granted in the form of a trophy to the meritorious unit which makes a significant and measurable contribution towards the development of new, or innovative modification of existing, or remarkable adoption and use of clean technologies and practices that substantially reduce, eliminate or prevent environmental pollution.

Pollution prevention aims at improving the quality of air, soil and water, at conserving natural resources and at preventing the generation of pollutants through viable and cost effective means.

The activities can include new technologies that save energy or other resources, product reformulation or substitution to use fewer polluting materials, and modified or new processes which reduce pollution.

In the existing scheme of National Awards for the Prevention of Pollution, as notified on 26th August, 1992 there is a provision for 23 awards to be given each year, one in each of the identified eighteen categories of highly polluting industries (sugar, fertiliser, cement, fermentation and distilleries, aluminium, petro-chemicals, thermal power, caustic soda, oil refinery, copper smelting, sulphuric acid, zinc smelting, iron and steel, tanneries, pulp and paper, dye and dye intermediates, pesticides, pharmaceuticals), and five in the small-scale category.

While reviewing the nominations for these awards, the Selection Committee shall identify the best among these, particularly from the angle of adoption of clean technology, for the Rajiv Gandhi Environment Award for Clean Technology.

The significance of the contribution, both in qualitative as well as quantitative terms, as well as measurable impact on the environment will be among the major criteria for selection.

[Q-16016/52/90-CFA]

T. GEORGE JOSEPH, Jt. Secy.

